

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026

Shubh Navratri

सिर्फ आनंद ज्वेल्स पर 100%* पैसा वापसी



*शर्तें लागू.

100% Buyback with Money Return on Polki Value

only at

ANAND®

Polki

Indore | Bhopal | Raipur

खबर संक्षेप



विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर ड्राइंग स्पर्धा

जगदलपुर। कृषि महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह पहल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बस्तर के निर्देशानुसार तथा महाविद्यालय के प्रभारी अधिष्ठाता एवं परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के सह-संचालक डॉ. एके ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य को समर्पित एक ऊर्जावान जुम्बा सत्र के साथ हुई, जिसमें खेलकूद और नियमित व्यायाम की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद मानसिक शांति और आंतरिक संतुलन स्थापित करने के लिए योगाभ्यास व ध्यान सत्र आयोजित किया गया, जहां विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर 'पतंजलि योग एवं प्राणायाम' के महत्व से अवगत कराया गया। डॉ. ठाकुर ने राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के जीवन में मानसिक स्वास्थ्य की महत्ता को रेखांकित किया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन इस माह

कोण्डागांव। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, कोण्डागांव द्वारा अक्टूबर माह में जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ कोण्डागांव स्थित ऑडिटोरियम में होगा। उत्सव का उद्देश्य जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना तथा कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। युवा उत्सव में विकसित भारत चैलेंज टास्क, लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज, पारंपरिक वेशभूषा और रॉकबैंड प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन विधाओं के माध्यम से युवाओं को अपनी कलात्मक, सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं, संगतकारों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष रखी गई है। युवा उत्सव में शामिल होने के इच्छुक प्रतिभागी 25 अक्टूबर तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के लिए कार्यालय वरिष्ठ खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, खेलो इंडिया तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र, कोण्डागांव, जिला कोण्डागांव में संपर्क किया जा सकता है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिले के सभी पात्र युवाओं से युवा उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की है।

केशकाल के टाटामारी की हसीन वादियों में हो रही छत्तीसगढ़ी फिल्म की शूटिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ियों की मनोरम छटा और घने जंगलों के बीच बसे पर्यटन स्थलों की खूबसूरती अब फिल्मी दुनिया को भी आकर्षित कर रही है। केशकाल के प्रसिद्ध इको पर्यटन केंद्र टाटामारी में इन दिनों फिल्म की शूटिंग की जा रही है।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस पर्यटन स्थल पर फिल्मांकन होना केशकाल सहित पूरे बस्तर क्षेत्र के लिए उत्साहजनक है। इससे क्षेत्र की खूबसूरती को बड़े पर्दे के माध्यम से व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है टाटामारी

केशकाल घाटी के समीप स्थित टाटामारी अपनी मनमोहक पहाड़ियों, हरियाली, प्राकृतिक वातावरण और खूबसूरत दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यहां पहुंचने वाले पर्यटक प्रकृति के शांत वातावरण के बीच समय बिताने के साथ ही पहाड़ियों की खूबसूरती का आनंद लेते हैं। बदलते मौसम के साथ यहां का प्राकृतिक नजारा और भी आकर्षक हो जाता है। यही वजह है कि टाटामारी धीरे-धीरे बस्तर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बना रहा है। फिल्म की शूटिंग के लिए टाटामारी का चयन इस बात का संकेत है कि बस्तर के प्राकृतिक स्थल फिल्मांकन के लिहाज से भी आकर्षक संभावनाएं रखते हैं। यहां की प्राकृतिक पृष्ठभूमि, पहाड़ी दृश्य और आसपास का वातावरण फिल्म निर्माताओं के लिए उपयोगी साबित हो सकता है।



पर्यटन को मिल सकती है नई पहचान

टाटामारी में फिल्म की शूटिंग होने से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। फिल्मों और अन्य दृश्य माध्यमों में किसी स्थान की खूबसूरती सामने आने के बाद उस जगह के प्रति लोगों की जिज्ञासा बढ़ती है। ऐसे में यदि टाटामारी के मनोरम दृश्य दर्शकों तक पहुंचते हैं, तो भविष्य में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की संभावना बन सकती है। केशकाल और आसपास के क्षेत्र में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं।

बस्तर की खूबसूरती को सामने लाने का अवसर

बस्तर अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, ऐतिहासिक स्थलों, जलप्रपातों, जंगलों और प्राकृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। टाटामारी जैसे स्थलों पर फिल्मांकन होने से बस्तर की एक अलग और आकर्षक तस्वीर लोगों के सामने लाने का अवसर मिलता है। इससे क्षेत्र की प्राकृतिक विरासत को व्यापक पहचान दिलाने के प्रयासों को भी बल मिल सकता है।

बालिका शौचालय मुक्तिधाम और निष्क्रिय बोरवेल से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

वीबी–जी राम जी के कार्यों में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई ने गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में वीबी–जी राम जी विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में पूर्व वर्षों के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लंबित एवं प्रगतिरत कार्यों के साथ वर्तमान में स्वीकृत और प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में सीईओ ने शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से बालिका शौचालय निर्माण, मुक्तिधाम निर्माण तथा निष्क्रिय बोरवेल के समुचित प्रबंधन से संबंधित स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा कराने पर जोर दिया।

महात्मा गांधी नरेगा के पूर्व वर्षों से लंबित एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए



जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई ने की समीक्षा,

अधिकारियों को इन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कार्यस्थलों पर पर्याप्त श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और पात्र ग्रामीण परिवारों को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने को कहा गया।

सीईओ अविनाश भोई ने कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में अनावश्यक विलंब, लापरवाही या निर्धारित जिम्मेदारियों के निर्वहन में उदासीनता पाए जाने पर संबंधित तकनीकी अमले के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। लापरवाही बरतने वाले तकनीकी कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में वीबी–जी राम जी के अंतर्गत संचालित कार्योंर् में राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली एनएमएमएस के माध्यम से श्रमिकों की शत–प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों और तकनीकी सहायकों को उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया की नियमित निगरानी करने तथा योजना के दिशा–निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में ग्राम पंचायत विकास योजनाओं की तैयारी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सीईओ ने निर्देश दिए कि दिसंबर माह तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों की विकास योजनाएं संतृप्ति आधारित दृष्टिकोण से तैयार कर पूर्ण की जाएं। इसके अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना बनाई जाएगी। उन्होंने तकनीकी अमले को ग्राम पंचायतों की स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के आधार पर कार्योंर् का चयन करने तथा योजनाबद्ध तरीके से कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

सीईओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध प्रगति, गुणवत्तापूर्ण निर्माण और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकाधिक रोजगार सृजन सुनिश्चित करने को कहा।

नुक्कड़ नाटक, गीत और भाषण से छात्रों ने दिया नशामुक्ति का संदेश



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्षमतापुर में नशा मुक्ति एवं अनुशासन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, गीत और भाषण के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को उजागर करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अनुशासन का पालन करने का संदेश दिया।

■ क्षमतापुर स्कूल में नशा मुक्ति और अनुशासन पर जागरूकता कार्यक्रम

नशा मुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक में छात्रओं नागेश्वरी, प्रियंका, मनीषा और दिव्या तथा छात्र जैनलाल एवं महेश ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने क्षमतापुर स्कूल में नशा मुक्ति और अनुशासन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने की अपील की। सभी से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने की अपील की।

गंभीर स्थिति से स्वस्थ जीवन की ओर लौटी नवजात बालिका

■ 32 दिनों तक विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में चला उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिले में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में गंभीर रूप से बीमार नवजात बालिका का सफल उपचार किया गया। 32 दिनों तक चले उपचार और सतत निगरानी के बाद बालिका स्वस्थ अवस्था में अपने माता–पिता के साथ घर लौट गई।

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी और सिविल सर्जन डॉ. पी.एल. मंडावी के मार्गदर्शन में नवजात शिशुओं को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्राम ओंडाकापार, विश्रामपुरी निवासी बिराजो



मरकाम और जेठूराम मरकाम की नवजात बालिका का जन्म 06 सितंबर को सुबह 9.51 बजे हुआ।

जन्म के समय उसका वजन 2 किलो 510 ग्राम था। जन्म के तुरंत बाद उसकी स्थिति गंभीर हो गई, जिसके बाद उसे तत्काल विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में भर्ती कराया गया। बालिका को जन्म के समय सांस लेने में गंभीर परेशानी, शरीर में ऑक्सीजन की कमी से नीलापन, सांस रुकने की समस्या, शरीर का तापमान कम होना, रक्त संचार संबंधी गंभीर समस्या, गर्भ में मल मिला पानी सांस के साथ फेफड़ों में जाने तथा सिर के पिछले हिस्से में सूजन जैसी जटिलताएं थीं।

मतदाता पंजीकरण के लिए चलेगा विशेष अभियान

जिले के 635 मतदान केंद्रों में छूटे हुए और नए पात्र युवा मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे

कोण्डागांव। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के विधानसभा क्षेत्र 82–केशकाल, 83–कोण्डागांव तथा 84–नारायणपुर आंशिक के अंतर्गत आने वाले सभी 635 मतदान केंद्रों में अक्टूबर के दौरान मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र नागरिकों और पहली बार पात्र बने युवा मतदाताओं का पंजीकरण किया जाएगा।

विशेष अभियान के दौरान बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ घर–घर जाकर पात्र नागरिकों से संपर्क करेंगे। मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के तहत नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और पंजीकरण से छूटे नागरिकों को सूची में शामिल करने की कार्रवाई की जाएगी।

अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। विशेष रूप से उन युवाओं पर ध्यान दिया जाएगा, जो पहली बार मतदाता बनने के पात्र हुए हैं, लेकिन अब तक उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए पात्र नागरिक भारत निर्वाचन आयोग के मोबाइल ऐप अथवा आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से फॉर्म–6 भरकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिले के पात्र नागरिकों से अपील की गई है कि वे विशेष अभियान में सक्रिय सहभागिता करें और अपने क्षेत्र के संबंधित बूथ

सशिमं में अभिभावक गोष्ठी, बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन, व्यवहार और नैतिक मूल्यों के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में खिलेश्वर जैन- विभाग कार्यवाह, गौरीशंकर गुप्ता कोषाध्यक्ष, विवेक श्रीवास्तव सहसचिव,

आरके विश्वकर्मा प्राचार्य-कन्या हा.से.केशकाल, बंदेराम कुंजाम प्रबंधन सदस्य, अभिषेक चोपड़ा-प्रबंधन सदस्य, भीखमराम पटेल पूर्व प्राचार्य, गजेंद्र साहू अभिभावक सदस्य उपस्थित थे।



शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास जरूरी

गोष्ठी में बच्चों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करने, अनुशासन का पालन करने, समय का सदुपयोग करने तथा बड़ों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने जैसे विषयों पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों को आवश्यक बताया गया।

गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य था विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को बेहतर बनाने के साथ उनकी शिक्षा में अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान विद्यालय और परिवार के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यालय में मिलने वाली शिक्षा और घर में प्राप्त संस्कार एवं उचित मार्गदर्शन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करते हैं।

नवाखाई पर्व पर उमड़ा गोंडवाना समाज पारंपरिक रेला नृत्य ने बांधा समां

मांडोकीखरगांव में जिला स्तरीय गायता ठाकुर जोहारनी का आयोजन



वर्तमान और पूर्व विधायक हुए शामिल

फरसगांव। बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्राम मांडोकीखरगांव में शनिवार को जिला स्तरीय गायता ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम और पूर्व विधायक संतराम नेताम सहित गोंडवाना समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाज के महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। आयोजन में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रामवासियों, आसपास के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों, लया-लयोर, पटेल, गायता एवं पुजारी की उपस्थिति में पारंपरिक सेवा-अर्जी के साथ किया गया। इस अवसर पर नवाखाई पर्व की परंपराओं और पूर्वजों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत के महत्व को रेखांकित किया गया। समाज की मान्यता के अनुसार, पुनांग पंडुम के दिन नई फसल का अन्न इष्ट देव बूढ़ादेव को अर्पित करने के बाद परिवार के सदस्य एकत्रित होकर नए अन्न से बने पकवान ग्रहण करते हैं। इसके अगले दिन आपसी मेल-मिलाप कर बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा निभाई जाती है।

कार्यक्रम में अतिथियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज की संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। पूर्वजों की विरासत को सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना सभी का दायित्व है। उन्होंने समाज की एकजुटता और पारंपरिक त्योहारों को निरंतर बनाए रखने पर जोर दिया।



रेला नृत्य बना आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से पहुंचे समाज के नर्तक दलों ने पारंपरिक हुल्की, मांदरी, गुट्टा मांदरी और रेला नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा और लोक संस्कृति से सजी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विशेष रूप से रेला नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। पूरे आयोजन में आदिवासी लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर संभाग अध्यक्ष सुमेर सिंह नाग, संभागीय अध्यक्ष डॉ. कमलकांत शोरी, संभागीय उपाध्यक्ष सुरेश मरकाम, संभागीय मीडिया प्रभारी महेश, संभागीय कोषाध्यक्ष रामसिंह नाग और संभागीय संयुक्त सचिव मनोज नेताम उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में विधायक नीलकंठ टेकाम, पूर्व विधायक संतराम नेताम, भाजपा जिला अध्यक्ष सेवकराम नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हीरासिंह नेताम, ग्राम पंचायत मांडोकीखरगांव की सरपंच शांति नेताम और जनपद पंचायत सदस्य रायसिंह सलाम शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला गोंडवाना समाज अध्यक्ष मंगूराम नेताम ने की। इस अवसर पर विभिन्न विकासखंडों के समाज पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से योगेश्वरी को मिला आर्थिक संबल

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण को बढ़ावा दे रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को निर्धारित शर्तोंर्



के अनुसार सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में दी जाती है, जिससे गर्भावस्था और मातृत्व के दौरान उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है।

ग्राम पंचायत गोलावंड निवासी योगेश्वरी बघेल को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पहली किस्त के रूप में 3 हजार रुपये और दूसरी किस्त के रूप में 2 हजार रुपये प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार उन्हें कुल 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली है। योगेश्वरी बघेल ने बताया कि योजना से प्राप्त राशि उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हुई है। आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने और उनके स्वास्थ्य एवं देखभाल पर ध्यान देने में मदद मिली। इससे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में भी राहत मिली है।



तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

02 केशकाल के टाटामारी की हसीन वादियों में हो रही..



02 नुक्कड़ नाटक, गीत और भाषण से छात्रों ने...



नवरात्रि विशेष



प्रथम : शैलपुत्री

मां नवदुर्गाओं में सबसे पहला नाम शैलपुत्री का है, जो गिरीराज हिमालय की पुत्री है। अपने पूर्व जन्म में ये प्रजापति दक्ष के यहां कन्या के रुप में उत्पन्न हुई थी। मां के दाहिने हाथ में शूल और बांए हाथ में कमल का फूल सुशोभित है। माता की शक्तियां अनन्त है। नवरात्र के पहले दिन भक्तगण इनकी आराधना करते हैं। एक बार प्रजापति दक्ष ने एक विशाल यज्ञ करवाया। उसमें सभी देवताओं को बुलाया लेकिन क्रोधवश शंकरजी को यज्ञ में नहीं बुलाया। सती तो जब पता चला कि पिताजी के यहां यज्ञ हो रहा है, तो उन्होंने वहां पर जाने की इच्छा जाहिर की। शंकर जी के काफी समझाने के बाद भी सती नहीं मानी तो शंकर जी ने उन्हें भेज दिया। सती ने पिता के यहां पहुंचकर देखा कि परिजनों का उनके प्रति व्यवहार ठीक नहीं है। कोई उनसे ठीक से बात नहीं कर रहा है। यह सब देखकर सती का हृदय क्षोभ, ग्लानि और क्रोध से भर उठा। तब उनको भगवान शंकर की याद आई और उन्होंने उसी क्षण योगाग्नि द्वारा अपने को भस्म कर लिया और सती हो गई। उसके बाद से इनको सती के नाम से जाना गया। मां के इस रुप की आराधना का मंत्र है।

वन्दे वाञ्छितलाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम।
वृषारुढां शुलधरां शैलपुत्री यशास्विनीम।

खबर संक्षेप

वानिकी छात्रों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का निर्णय

जगदलपुर। काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में सरकार के फैसले के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए वानिकी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विमल कुमार रात्रे एवं छात्र-छात्राओं को मंच पर आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने वन मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन व सम्मान किया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने वानिकी विषय में विशेषज्ञता हासिल करने वाले छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और रोजगार के अवसरों को विस्तार देते हुए सहायक वन संरक्षक और वन परिक्षेत्र अधिकारी के पदों पर होने वाली सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत पद आरक्षित करने का फैसला लिया है। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वन मंत्री के संवेदनशील नेतृत्व और प्रयासों के चलते छात्रों के करियर को एक नई दिशा मिली है। वानिकी के छात्रों ने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित इस मांग के पूरा होने से राज्य में वानिकी की पढ़ाई कर रहे युवाओं में उत्साह और विश्वास जागा है।

काछन गुड़ी में संपन्न हुई पारंपरिक काछन गादी रस्म, पनका समाज की आराध्य देवी ने दिया आशीर्वाद

कांटों के झूले पर झूलकर काछन देवी ने दी महाराजा को दशहरा मनाने की अनुमति

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की प्रमुख रस्म काछन गादी विधान शनिवार शाम भंगाराम चौक की काछन गुड़ी में विधि-विधान के साथ हुई। इस दौरान कांटों के झूले पर विराजमान काछन देवी ने महाराजा कमल चंद्र भंजदेव को दशहरा पर्व मनाने की अनुमति दी। परंपरा के अनुसार देवी से आशीर्वाद प्राप्त होने के बाद दशहरा की आगामी रस्मों की तैयारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। काछन गादी बस्तर दशहरा की विशिष्ट परंपराओं में शामिल है, जिनमें जनजातीय आस्था, लोकविश्वास और राजपरंपरा का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इस रस्म में पनका समाज की आराध्य देवी काछन माता की पूजा-अर्चना की जाती है। स्थानीय मान्यता के अनुसार काछन देवी को रण की देवी के रूप में भी पूजा जाता है।

शाम को महाराजा कमल चंद्र भंजदेव मां दंतेश्वरी मंदिर से पारंपरिक मुण्डा बाजा और आतिशबाजी के साथ काछन गुड़ी पहुंचे। उनके साथ जनप्रतिनिधि, मांझी, चालकी, नाइक, पाइक तथा बस्तर दशहरा समिति के सदस्य मौजूद रहे। देवी-देवताओं की उपस्थिति और पारंपरिक विधानों के बीच पूजा-अर्चना की प्रक्रिया पूरी की गई।





राजपरंपरा और जनजातीय आस्था का प्रतीक

काछन गुड़ी बस्तर की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय विवरणों के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण काकतीय वंश के राजा दलपत देव के शासनकाल में कराया गया था तथा वर्ष 2005 में इसका जीर्णोद्धार हुआ। काछन गादी की रस्म बस्तर दशहरा के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती है। यह परंपरा आज भी बस्तर की विशिष्ट पहचान और पीढ़ियों से चली आ रही लोकआस्था को जीवंत बनाए हुए है। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पाण्डे, पार्षद योगेन्द्र पाण्डे, संग्राम सिंह राणा, अजय सिंह बैस, राजगुरु नवीन ठाकुर, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी बद्रीनारायण मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा व एसपी शलभ सिन्हा समेत प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांटों के झूले से दिया आशीर्वाद

काछन गुड़ी में प्रचलित मान्यता के अनुसार कुंवारी कन्या में देवी की सवारी आती है। इसके बाद कन्या को कांटों से निर्मित विशेष झूले पर लिटाकर धार्मिक विधान पूरा किया जाता है। इसी रस्म को काछन गादी पूजा विधान कहा जाता है। श्रद्धालु इसे देवी की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर मानते हैं। इस दौरान पनका समाज के पुजारी और गुरु माई ने पारंपरिक धनकुल गीत प्रस्तुत किया। पूजा-अर्चना के बाद महाराजा ने देवी से बस्तर दशहरा पर्व के निर्विघ्न आयोजन की अनुमति मांगी।

450 जवानों की सुरक्षा में होगी शारदीय नवरात्रि की शुरुआत



दंतेवाड़ा। आदि शक्ति पीठ मां दंतेश्वरी के दरबार में आज से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। यहां हजारों की संख्या में मनोकामना के ज्योत प्रज्वलित होंगे। इस बार प्रशासन ने श्रद्धालुओं को असुविधा से बचने कुछ बदलाव किये हैं। मसलन मोबाइल ले कर जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस प्रशासन ने इस बार 450 जवानों की तैनाती की है। इनकी देख रेख में शारदीय नवरात्रि सम्पन्न होगी।

बनाये गये तीन लेन

वर्षों की परंपरा में बदलाव करते हुए इस बार श्रद्धालुओं के लिए तीन लेन की व्यवस्था की गई है। जय स्तम्भ चौक से माता के दर्शन करने के लिए वीआईपी पास वाले बाईं ओर से, पदयात्रियों के लिए मुख्य कारिडोर के भीतर से तथा बाईं ओर के मार्ग से जाकर वीवी आईपी दर्शन कर सकेंगे। इस बार वीवीआईपी के आगमन से पदयात्रियों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

क्यूआर स्केन से मिलगी ठहरने की व्यवस्था

जिला प्रशासन ने भक्तों को सुविधा मिल सके इसके लिए क्यूआरकोड की व्यवस्था की है, श्रद्धालु इसे स्केन करेंगे और उन्हें मिल जाएगी ठहरने की व्यवस्था। इसी जगह उन्हें आंशिक शुल्क देकर रुकने तथा विश्राम करने की आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध हो जाएगी।

स्तम्भ चौक में जमा करवाएंगे मोबाइल

शारदीय नवरात्रि में भक्तों की बढ़ने वाली भीड़ के मद्देनजर जय स्तम्भ चौक में भक्तों को अपना मोबाइल जमा करना होगा। इसके अलावा पदयात्रियों, वीवीआईपी तथा वीआईपी तीनों के लिए अलग अलग मार्ग की व्यवस्था की गई है।

दो मृतकों के परिजनों को दिए गए आठ लाख

बाढ़ प्रभावितों को 25.72 करोड़ की मिली राहत राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले में 23 से 26 सितम्बर तक हुई मूसलाधार बारिश और ओड़िशा स्थित खातीगुड़ा व मुरान बांध के गेट खोले जाने से समूचे अंचल में बाढ़ और जलभराव की स्थिति निर्मित हुई थी। लगातार चार दिनों की अतिवृष्टि और उफनती नदियों ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त रहा। इस गंभीर आपदा के बीच शासन की संवेदनशीलता के अनुरूप प्रशासन पीड़ितों के त्वरित पुनर्वास और आर्थिक संबल देने के कार्य में जुट गया है। इस दिशा में अब तक कुल 8,197 प्रकरणों में 25 करोड़ 72 लाख 98 हजार 860 रुपए की सहायता प्रदान किया जा चुका है।

कमिश्नर डोमन सिंह के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर आकाश छिकारा के प्रयासों से बाढ़ प्रभावितों के राहत और पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उनके निगरानी में राजस्व विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी क्षति सर्वेक्षण एवं प्रकरणों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत बाढ़ प्रभावितों को सीधे उनके बैंक खातों में पारदर्शी तरीके से राहत राशि अंतरित की जा रही है।

जिला प्रशासन 9 अक्टूबर तक बाढ़ आपदा से क्षतिग्रस्त हुए कुल 4,946 मकानों के लिए 24 करोड़ 81 लाख 66 हजार का भुगतान कर चुका है। इसमें पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए 1,823 मकानों के लिए 23 करोड़ 34 लाख और आंशिक क्षति वाले 3,123 मकानों के लिए 1 करोड़ 47 लाख 66 हजार रुपए की राशि सम्मिलित है।

पशु हानि और फसल नुकसान पर दी गई सहायता

बताया गया कि 5 पशुहानि के मामलों में 1 लाख 71 हजार रुपए, 7 मामलों में फसल नुकसान के लिए 69 हजार 360 रुपए तथा 3,237 प्रभावितों को बर्तन व घरेलू सामग्री के नुकसान की एवज में 80 लाख 92 हजार 500 रुपए की आर्थिक मदद पहुंचाई गई है। बाढ़ पीड़ितों के आशियाने पूर्ण एवं आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उन्हें तात्कालिक राहत देने के लिए बांस और बल्ली की निःशुल्क उपलब्धता भी वन विभाग के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। इससे प्रभावित परिवार फौरी तौर पर अपने घरों की मरम्मत कर पा रहे हैं।

शहर में दोपहर 3 से रात्रि 12 बजे तक भारी वाहन रहेंगे प्रतिबंधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

पुलिस प्रशासन बस्तर दशहरा पर्व पर श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर शहर में सुगम यातायात के लिए ट्रैफिक एडवाईजरी जारी की है, जिसके तहत मां दंतेश्वरी मंदिर की ओर आने वाली चार पहिया वाहन एवं भारी वाहनों के लिए यातायात व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। जारी ट्रैफिक एडवाईजरी के अनुसार प्रतिदिन दोपहर 3 से रात्रि 12 बजे तक चार पहिया एवं भारी वाहन के लिए प्रतिबंधित मार्ग निर्धारित किया गया है।

बोधघाट थाना क्षेत्र के रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड की घटना

धारदार बंडा लहराकर मारपीट व जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

धारदार हथियार लहराकर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ मारपीट व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन व एएसपी सुखनन्दन राठौर के मार्गदर्शन व सीएसपी सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था। मामले की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए प्रार्थी शंकर नाग निवासी रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड ने बताया कि उसका मौसेरा भाई गोलू राम नायक नशा करने का आदि है तथा प्रतिदिन नशा करके उसके घर के पास आकर गाली गलोच करता है।

2 दर्जन ट्रैक्टर में सवार होकर कलेक्टोरेट पहुंचे किसान

इंद्रावती की बाढ़ से खेत बर्बाद, किसानों ने मांगा 65100 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इंद्रावती नदी की बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब खेतों में तबाही के निशान साफ दिखाई देने लगे हैं। कहीं धान की फसल पानी के साथ बह गई, तो कहीं रेत की मोटी परत जमने से खेतों में अगली फसल की तैयारी करना भी मुश्किल हो गया है।

बाढ़ से प्रभावित किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और मुआवजे की उम्मीद में कलेक्ट्रेट के चक्कर लगा रहे हैं। किसानों की परेशानी को देखते हुए भारतीय किसान संघ ने प्रति एकड़ 65100 रुपये मुआवजा देने, कृषि ऋण माफ करने और क्षतिग्रस्त मकानों व कृषि उपकरणों की भरपाई करने की मांग की है। भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष नील कुमार बघेल के अनुसार इंद्रावती नदी के किनारे बसे डोंगाघाट, छेपड़ागुड़ा, मकावांड, गुड़ापुड़ा, तारापुर और बजावांड में बाढ़ से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। कई किसानों की मेहनत से तैयार धान की फसल बर्बाद हो गई, जबकि खेतों में रेत भरने से कृषि कार्य प्रभावित हुआ है। ऐसे में किसानों के सामने आर्थिक नुकसान की भरपाई के साथ अगली फसल की तैयारी की चुनौती भी खड़ी हो गई है। संघ ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान के समर्थन मूल्य के बराबर 65100 रुपये मुआवजा देने की मांग की है।



सर्वे के बाद किसानों को मिलेगी राहत राशि

इधर प्रशासन के मुताबिक मकान क्षति के लिए 25 करोड़ जारी किए जा चुके हैं। फसल नुकसान का सर्वे जारी है और कुछ प्रकरणों को भुगतान के लिए कोषालय भेजा जा रहा है। प्रशासन को उम्मीद है कि आगामी एक-दो सप्ताह में किसानों को राहत राशि मिल सकती है। फिलहाल प्रभावित किसानों की निगाहें सर्वे और मुआवजा वितरण पर टिकी हैं। किसानों को उम्मीद है कि जल्द राहत मिलने से वे अगली फसल की तैयारी शुरू कर सकेंगे।



खबर संक्षेप

सीएचसी भैरमगढ़ को मिला राष्ट्रीय सर्टिफिकेशन

बीजापुर। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैरमगढ़ को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेट से नवाजा गया है। केंद्रीय टीम के कड़े राष्ट्रीय मूल्यांकन और निरीक्षण के बाद अस्पताल को यह प्रतिष्ठित प्रमाण-पत्र जारी किया गया है। सर्टिफिकेशन मिलने से अब सीएचसी भैरमगढ़ में आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित इलाज की गारंटी मिलेगी। राष्ट्रीय मूल्यांकन टीम ने अस्पताल में बुनियादी इनपुट, मरीजों के अधिकार, क्लिनिकल केयर, इंफेक्शन कंट्रोल, सपोर्ट सर्विसेस और क्वालिटी मैनेजमेंट जैसे 8 प्रमुख मानकों के आधार पर सघन जांच की थी। इन सभी कड़े पैमानों पर खरा उतरने के बाद ही अस्पताल को नेशनल लेवल की यह मान्यता मिली है। कलेक्टर विश्वदीप, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे के दिशा-निर्देश और मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य कर्मियों के कठिन परिश्रम का यह परिणाम माना जा रहा है। अस्पताल को यह सर्टिफिकेट मिलने पर पूरे जिले के स्वास्थ्य अमले और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्टाफ को बधाई दी है।

बस्तर के ढोकरा शिल्प को मिलेगी राष्ट्रीय पहचान



जगदलपुर। बस्तर की प्रसिद्ध पारंपरिक ढोकरा (बेलमेटल) कला को अब राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने जा रही है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा देश भर में ट्राइबल आर्टिजन क्लस्टरों को प्रीमियम क्लस्टर के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत बस्तर के ढोकरा क्लस्टर चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी सिलसिले में कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के समन्वय से मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय टीम ने जगदलपुर विकासखंड के ग्राम चिलकुटी का दौरा कर जमीनी स्तर पर संभावनाओं का जायजा लिया। इस केंद्रीय दल का नेतृत्व मंत्रालय के अवर सचिव डॉ. सुधीर कुमार कर रहे थे, जिनके साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट व सलाहकार नौरिन शाहिद और क्लस्टर डेवलपमेंट एक्सपर्ट जागेश्वर शामिल रहे।

निधन

भाग्य रेखा पायोधी



जगदलपुर। बस्तर के वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी नारायण ताटी पयोधी की धर्म पत्नी भाग्य रेखा पायोधी ने लंबी बीमारी के बाद 9 अक्टूबर की शाम 4 बजे अंतिम सांस ली। कैंसर से विगत 2 वर्षों से पीड़ित थी। अंतिम संस्कार भोपाल में किया गया। निवास से निकली अंतिम यात्रा में बस्तर से पहुंचे परिजन तथा भोपाल एवं अन्य जगह के साहित्यकार शामिल थे।

शारदीय नवरात्रि की तैयारी पूरी, 24 कैमरे से रखी जाएगी नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शारदेय नवरात्र को लेकर दंतेवाड़ा शक्तिपीठ में तैयारी अंतिम चरण में है। इस वर्ष दर्शनार्थियों के लिए कई नियम बनाए गए है तथा वीआईपी के दर्शन व पार्किंग की व्यवस्था भी अलग अलग की गई है। मंदिर परिसर में 24 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं तथा कण्ट्रोल रूम से पुलिस और प्रशासन की ओर से भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था पर निगरानी रखी जाएगी।

दर्शन के लिए आने वाले सामान्य भक्तों के लिए मेन रोड मुख्य द्वार से मंदिर के सामने कॉरिडोर से मंदिर के अंदर तक सामान्य श्रद्धालुओं के लिए रूट होगा। वहीं वीआईपी व अधिकारियों के लिए रूट मेन रोड मुख्य द्वार से बैंक, धर्मशाला मार्ग से मंदिर के पीछे की तरफ होगा जो सीधे हवन कुंड की तरफ से मंदिर के अंदर प्रवेश कर सकेंगें। वीआईपी के के लिए प्रति सदस्य 5 सौ रूपए शुल्क देना होगा। इसके लिए भक्त टेंपल कमेटी के काउंटर से या फिर ऑनलाइन रसीद कटवा सकते हैं।



घी के ज्योत व चांदी के सिक्के की कीमत में ईजाफा

10 हजार कलश स्थापना का लक्ष्य चांदी के सिक्के भी हुए महंगे

टेंपल कमेटी ने इस बाद ज्योत कलश के शुल्क में भी बदलाव किया है। मंदिर में ज्योति कलश स्थापना के लिए घी के कलश की राशि इस बार 3100 रुपए रखी गई है। पिछली बार यह राशि 2100 रुपए थी। तेल के कलश की राशि 1100 रुपए यथावत रखी गई है। मंदिर समिति के अनुसार इस बार करीब 10 हजार कलश स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। मंदिर में मिलने वाले 10 ग्राम के चांदी के सिक्के की कीमत इस बार 4100 रुपए रखी गई है। पिछली बार इसकी कीमत करीब 2100 रुपए थी। पिछली बार 1100 से ज्यादा सिक्के तैयार किए गए थे। इस बार चांदी के बाजार भाव बढ़ने का असर सिक्के की कीमत पर भी पड़ा है।



भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने महारानी अस्पताल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भारतीय किसान यूनियन टिकैत जिला बस्तर के पदाधिकारियों ने महारानी अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं तथा वाहन व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल में उपचार की व्यवस्था को समझा और संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की।यूनियन का कहना है कि शिक्षा, छात्रावास, आश्रम शालाओं और मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं पर भी निगरानी रखना आवश्यक है। बस्तर जिले के किसान, मजदूर और गरीब परिवार बेहतर इलाज के हकदार हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण किसी भी व्यक्ति को उचित उपचार से वंचित नहीं रहना चाहिए। जरूरतमंद मरीजों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समय पर मिले तथा अस्पताल में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रमेश गोयल ने कहा कि संगठन जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय रहेगा। उन्होंने कहा, "किसान और मजदूर केवल खेती और मजदूरी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनके परिवारों को भी बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना जरूरी है। महारानी अस्पताल सहित जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का समय-समय पर निरीक्षण किया जाएगा। अधिकारियों से संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आम जनता को बेहतर उपचार मिल सके।"

- किसान-मजदूरों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की मांग की



ये रहे मौजूद

निरीक्षण में संभागीय अध्यक्ष शिवा स्वर्णकार, जिला अध्यक्ष रमेश गोयल,जिला उपाध्यक्ष मानसिंह नेताम, ब्लॉक अध्यक्ष बबलू बघेल, संगठन मंत्री जगन्नाथ देवांगन, जिला प्रवक्ता कृष्ण कुमार पांडे सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

नवरात्र के प्रथम दिन नगर निगम करेगा विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

जगदलपुर। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को नगर पालिक निगम शहर में विभिन्न विकास एवं जनसुविधा संबंधी कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेगा। महापौर संजय पांडेय एवं जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विश्राम एवं सेवा केंद्र के रूप में नगर गुड़ी का शुभारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से चांदनी चौक तक नवनिर्मित स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण होगा।



स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 6000 लीटर क्षमता के माउंटेन वाटर टैंकर का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही रोड स्वीपिंग में कार्यरत स्वच्छता कर्मचारियों को ट्रॉली डस्टबिन वितरित किए जाएंगे। इन पहलों से शहर की स्वच्छता व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। शहर के विभिन्न वार्डों में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा।कुशाभाऊ ठाकरे एवं अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड में नवोदय विद्यालय के हनुमान मंदिर तक 70 लाख 79 हजार रुपये की लागत से नाली निर्माण कराया जाएगा।शिव मंदिर वार्ड में विष्णु जोगी के घर से निरंजन दास के घर तक 12 लाख 81 हजार रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्य किया जाएगा।राजेंद्र नगर वार्ड में गंगा मुंडा तालाब के किनारे 6 लाख 92 हजार रुपये की लागत से नाली का निर्माण कराया जाएगा। छत्रपति शिवाजी वार्ड में शोभा के घर से गंगा के घर तक 9 लाख 96 हजार रुपये की लागत से नाली निर्माण होगा। इसी वार्ड में शिवम एवं राम ध्रुव के घर से राव निषाद के घर तक 9 लाख 95 हजार रुपये की लागत से नाली का निर्माण किया जाएगा।

तेलंगाना का पौधा बस्तर भूमि में देगा सीताफल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहीद गुंडाधुर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम एवं वीबीजीरामजी के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नगर निगम के सभापति एवं पार्षद लक्ष्मण झा रहे, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गणेश प्रसाद नाग ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रक्षेत्र में सीताफल की उन्नत किस्म 'बालानगर' के 300 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण, फलोत्पादन एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि सीताफल की 'बालानगर' किस्म के पौधे तेलंगाना के संगारेड्डी स्थित अनुसंधान केंद्र से प्राप्त किए गए हैं। इन पौधों का उपयोग महाविद्यालय में शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यों के लिए किया जाएगा। इसके अंतर्गत उद्यानिकी महाविद्यालय के फल विज्ञान विषय के विद्यार्थियों द्वारा बस्तर की स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों में इस किस्म की वृद्धि, विकास, पुष्पन, फलन, उत्पादन क्षमता एवं फल गुणवत्ता संबंधी विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान किया जाएगा।



मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर निकली रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 10 अक्टूबर को स्पर्श क्लीनिक, शासकीय जिला महारानी अस्पताल की डीएमएचपी टीम एवं गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर आमजन को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया। रैली में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों, भेदभाव और कलंक की भावना को दूर करना था। रैली के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है और मानसिक समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों को उपेक्षित करने के बजाय उनका सहयोग करना चाहिए। इसी क्रम में महारानी जिला अस्पताल के मेल मेडिसिन वार्ड में नर्सिंग छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समझने, प्रभावित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और जरूरतमंदों को सहयोग प्रदान करने का संदेश दिया गया। छात्राओं ने प्रस्तुति के जरिए बताया कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को छिपाने या उनसे प्रभावित लोगों के साथ भेदभाव करने के बजाय समय पर उचित सहायता और उपचार उपलब्ध कराना आवश्यक है।

- नर्सिंग विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से बताया मानसिक स्वास्थ्य का महत्व



संकल्प के साथ किया शपथ ग्रहण

सीएमएचओ डॉ. संजय बसाक ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने, मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने तथा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक बिना किसी भेदभाव के पहुंच सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ शपथ ग्रहण किया गया। आयोजन के माध्यम से समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और जरूरतमंद व्यक्तियों को सहयोग देने की अपील की गई।

नक्सल मुक्त बस्तर में ग्रामीण बस सेवा का विस्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नक्सल मुक्त होने के बाद बस्तर जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को शहर और प्रमुख पर्यटन स्थलों से जोड़ने के लिए यात्री बस सेवा शुरू करने की तैयारी है। इसी कड़ी में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने कुरूषनार-जगदलपुर और बास्तानार-चित्रकोट मार्ग पर बस संचालन का प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा है।

इन दोनों मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलने के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में सुविधा मिलेगी। कुरूषनार से जगदलपुर तक प्रस्तावित बस मार्ग की दूरी लगभग 116 किलोमीटर होगी। इस मार्ग पर बस मदार्पाल, गोलावण्ड, कचगांव, मुनगापदर, माकड़ी, मोहलई, करनपुर, कुंगारपाल, मादलापाल, कावड़गांव, मुण्डागांव, आमाबाल, ईरलाभाटा, छमिया, देवड़ा, सोनारपाल, भानपुरी और बस्तर होते हुए जगदलपुर पहुंचेगी। इसके बाद बस वापसी भी करेगी। इस रूट से रास्ते में पड़ने वाले कई गांवों के लोगों को जिला मुख्यालय तक पहुंचने के लिए सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिल सकेगी। दूसरा प्रस्तावित मार्ग बास्तानार से चित्रकोट तक करीब 51 किलोमीटर का है। इस मार्ग पर बस जामगांव, बोरजा, मूतनपाल, पटेलपारा, नाकटोका, गंगापारा, बदरेंगा, नीबूपदर, लावापारा, कस्तुरपाल, छोटे गुमियापाल, कुथर, मेन्द्री, पारापुर बधामपारा, पारापुर कोटवारपारा, बड़े धाराउर (बाजार पारा) और लोहण्डीगुड़ा (उसरीबेड़ा) होते हुए चित्रकोट पहुंचेगी, यहां से बस वापसी होगी।



प्रस्ताव मुख्यालय भेजा

संयुक्त कलेक्टर एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने बताया कि इन दोनों मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से ग्रामीणों को निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने और अपेक्षाकृत सुलभ परिवहन सुविधा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। फिलहाल दोनों मार्गों पर बस संचालन का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया है। सेवा शुरू होने की तारीख और समय-सारिणी की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

बाढ़ राहत स्पेशल पैकेज घोषित कर प्रभावित परिवार के नुकसान की भरपाई हो

बस्तर बाढ़ में डूबा, जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकार: नवनीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर में आई भीषण बाढ़ से मकान, घरेलू सामान, दुकान, रोजगार, फसल और आजीविका को हुए नुकसान के बीच बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चांद ने सरकार से तत्काल बस्तर बाढ़ राहत स्पेशल पैकेज घोषित करने, प्रत्येक प्रभावित परिवार का सर्वेक्षण कराने और नियमानुसार उचित मुआवजा सुनिश्चित करने की मांग की है।उन्होंने रायपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव से मुलाकात कर विशेष राहत पैकेज, बाढ़ राहत गतिविधियों के ऑडिट, ड्रेनेज सिस्टम की तकनीकी जांच और भविष्य में जलभराव रोकने के स्थायी उपायों की मांग की । बस्तर लौटने के बाद उन्होंने जगदलपुर के विवेकानंद वार्ड स्थित किशन ढाबा घेरा/खोदरा पारा तथा लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के आमागुड़ा पारा में प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।



सरकार और जनप्रतिनिधियों से 5 सवाल

विशेष पैकेज, पुनःसर्वेक्षण और तकनीकी ऑडिट के लिए समयबद्ध पहल होनी चाहिए वहीं महापौर एवं नगर निगम प्रशासन जगदलपुर में जलभराव के कारणों, नालियों की क्षमता, निर्माण गुणवत्ता, रखरखाव और शहरी नियोजन की स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट कब कराएगी यह स्पष्ट करे। नवनीत ने कहा जिला प्रशासन सर्वे में छूटे परिवारों और मकान, घरेलू सामान, दुकानों, फसलों तथा पशुधन की क्षति का पुनःसर्वेक्षण कराए। सर्वे रिपोर्ट, स्वीकृत सहायता और भुगतान की स्थिति सार्वजनिक की जाए।

सेवा सेतु से आसान हुई शासकीय सेवाओं की राह एक ही केन्द्र से मिलेगा आय और निवास प्रमाण-पत्र

बीजापुर। जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय सेवाओं को सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने की दिशा में संचालित डिजिटल जनसेवा पहल 'सेवा सेतु' आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक साबित हो रही है। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ अंचलों के ग्रामीणों को आवश्यक प्रमाण-पत्र एवं अन्य शासकीय सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे नागरिकों के समय और श्रम की बचत होने के साथ ही शासकीय प्रक्रियाएं अधिक सहज हो रही हैं।

इसी क्रम में तहसील कुटरू अंतर्गत ग्राम केतुलनार निवासी मुन्ना मिच्चा को सेवा सेतु केन्द्र कुटरू के माध्यम से आय प्रमाण-पत्र एवं निवास प्रमाण-पत्र की दो महत्वपूर्ण सुविधाएं प्राप्त हुईं। आय प्रमाण-पत्र तथा निवास प्रमाण-पत्र के लिए संदर्भ तहत आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई। दोनों प्रमाण-पत्रों से संबंधित प्रक्रिया सेवा सेतु केन्द्र कुटरू एवं तहसील कुटरू के माध्यम से संपन्न हुई।











हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026
बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

MEMBER OF CREDAI | Rera Registration Number PCGRERA240823001662

DEVKI VATIKA

इस त्यौहार
आप अपना
ऑफर
खुद डिज़ाइन करें

Invest In Upcoming Steel City

Devki Vatika

सबसे तेज़ी से विकसित होने वाले प्रमुख क्षेत्र मारकेल नगरनार रोड, जगदलपुर

प्री लॉन्च ऑफर
1999/-
प्रति वर्ग फुट*

लॉन्च के बाद मूल्य
2500/-
प्रति वर्ग फुट*

Community Hall | Yoga Room | Indoor Games | Kids Play Area | Commercial | Amphitheater | 24 Hrs. Security | CCTV | 24 Hrs. Water Supply | Open Gym | Temple

* Terms & Condition Applied

Contact - 88890 12555, 88890 12666

BMS House, Motitalab Para, Jagdalpur Bastar (C.G.) 494001

समस्त प्रदेश वासियों को

शारदीय

नवरात्रि

के पावन अवसर पर हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं





या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरुपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ।।

संग्राम सिंह राणा

एमआईसी सदस्य नगर निगम जगदलपुर

शारदीय

नवरात्रि

के पावन अवसर पर हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं

मां
शैलपुत्री



संतोष बघेल

अध्यक्ष, जनपद पंचायत बस्तर



शारदीय दुर्गोत्सव

की समस्त क्षेत्रवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

भगवती माँ जगदम्बा की आराधना के पावन पर्व
शारदीय नवरात्रि पर कामना करता हूं कि
मां दुर्गा का आशीर्वाद आप सभी के
जीवन को सुख, स्वास्थ्य और
समृद्धि से आलोकित करे।

दंतेश्वरी मांई की जय।



श्रीनिवास मिश्रा

उपाध्यक्ष
जिला सहकारी केन्द्रीय
बैंक मर्या, जगदलपुर



नवरात्रि पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समस्त क्षेत्रवासियों को

शारदीय दुर्गोत्सव

की हार्दिक शुभकामनायें









विनीत - रोहित त्रिवेदी

एल्डरमैन, जगदलपुर

खबर संक्षेप

फसल बीमा से किसानों को मिल रही सुरक्षा

दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प के तहत किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं मौसम की अनिश्चितताओं से होने वाले संभावित नुकसान से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शासन द्वारा फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। इसी क्रम में जिले के ग्राम गंजेनार निवासी श्रीमती छबीली मरकाम ने फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा कराया है।
श्रीमती छबीली मरकाम बताती है कि पिछले साल 2025 में अचानक बढ़ा आने के करण उनका सफल नुकसान हुआ था। फसल बीमा के माध्यम से छबीली को प्राकृतिक आपदाओं एवं निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत फसल क्षति होने पर आर्थिक सहायता मिलने का अवसर मिला। फसल क्षति होने पर आर्थिक सहायता मिलने शासन की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेकर छबीली को अधिक सुरक्षित एवं मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उनका यह कदम खेती में संभावित जोखिमों से सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।
फसल बीमा योजना किसानों को विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान करने तथा कृषि कार्यों में निरंतरता बनाए रखने में सहायक है। छबीली मरकाम द्वारा फसल बीमा कराना अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक है। किसानों में फसल बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ने से वे अपनी मेहनत और आजीविका को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

रैमती के परिवार को मिला आवास

दंतेवाड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए खुशहाली और सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है। योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा रहा है। इसी कड़ी में रैयमती को पक्का मकान मिलने से उनका वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है। रैयमती की बेटी कहती है कि पहले कच्चे मकान में रहने के कारण परिवार को मौसम के बदलाव के साथ कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में घर की सुरक्षा और परिवार की सुविधा को लेकर चिंता बनी रहती थी। पक्का मकान मिलने से अब परिवार को सुरक्षित और बेहतर आवास की सुविधा मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास की सुविधा मिलने से रैयमती के परिवार में खुशी का माहौल है। अब उनका परिवार सुरक्षित छत के नीचे सुकून से जीवन व्यतीत कर रहा है।

जगह नहीं बल्कि चेहरे देख होती है संपत्ति कर की वसूली

ना खाता ना बही, जो कह दिया वही सही, सुकमा नगरपालिका में संपत्ति कर पर सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

सुकमा नगरपालिका इन दिनों पुनः चर्चा में है। नियमो को धत्ता बता कर चल रहे कार्यो के बीच अब संपत्ति कर के दरों करो को लेकर नया विवाद सामने आ गया है। सुकमा नपा में किस वार्ड को किस जोन में बांटा गया है इसकी कोई भी जानकारी नही है।

- 15 वार्डों में संपत्ति कर की व्यवस्था पर उठे सवाल

नगर पालिका परिषद सुकमा में संपत्ति कर निर्धारण की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। नगर के नागरिकों के सामने सबसे बड़ी परेशानी यह है कि आखिर उनके मकान या संपत्ति पर कितना कर निर्धारित होगा, किस वार्ड को किस जोन में रखा गया है और शुल्क निर्धारण का आधार क्या है, इसकी स्पष्ट एवं आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में नागरिकों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लोगों का कहना है कि जब कर देना अनिवार्य है, तो उसकी गणना का आधार भी स्पष्ट होना चाहिए।

किस वार्ड को किस जोन में, पता नहीं

नगरपालिका क्षेत्र में कुल 15 वार्ड हैं। इन वार्डों की भौगोलिक स्थिति, बाजार से दूरी, आवासीय एवं व्यावसायिक गतिविधियों तथा सुविधाओं की उपलब्धता में अंतर है। ऐसे में संपत्ति कर का निर्धारण किस नियम, किस श्रेणी और किस आधार पर किया जा रहा है, यह महत्वपूर्ण सवाल बन गया है। यदि अलग-अलग क्षेत्रों के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित हैं, तो नगरपालिका को यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस वार्ड को किस जोन में शामिल किया गया है और संबंधित जोन में संपत्ति कर की दरें क्या हैं।



नियमों के अनुसार निर्धारण जरूरी

संपत्ति कर का निर्धारण संबंधित नगरीय निकायों पर लागू कानून, शासन के नियमों और अधिसूचित दरों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसमें संपत्ति की प्रकृति, उपयोग, क्षेत्रीय वर्गीकरण और लागू प्रावधानों की भूमिका हो सकती है। ऐसे में कर निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी होना आवश्यक है, ताकि नागरिकों को यह समझने में परेशानी न हो कि उनसे किस आधार पर कितनी राशि ली जा रही है। लेकिन सुकमा नगरपालिका में नागरिकों की शिकायत है कि संपत्ति कर को लेकर कोई स्पष्ट सार्वजनिक विवरण आसानी से उपलब्ध नहीं है। किस वार्ड को किस जोन में रखा गया है, आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के लिए क्या दरें लागू हैं तथा कर की गणना किस आधार पर की जा रही है, इन सवालों के जवाब नागरिकों को एक ही स्थान पर नहीं मिल पा रहे हैं। परिणामस्वरूप लोगों को कर निर्धारण की प्रक्रिया समझने के लिए नगरपालिका कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

15 वार्ड, अलग-अलग परिस्थितियां

नगरपालिका के सभी 15 वार्डों की स्थिति एक जैसी नहीं है। कहीं मुख्य बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं, तो कहीं आवासीय बस्तियां और अपेक्षाकृत कम व्यावसायिक गतिविधियों वाले क्षेत्र हैं। कुछ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी दूसरे क्षेत्रों से अलग है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि नगरपालिका ने क्षेत्रीय वर्गीकरण किस आधार पर किया है और क्या यह वर्गीकरण नियमानुसार निर्धारित एवं आधिकारिक रूप से स्वीकृत है। यदि वार्डों को अलग-अलग जोन में बांटा गया है, तो उस सूची को सार्वजनिक करना नगरपालिका की जिम्मेदारी होनी चाहिए। वहीं, यदि सभी क्षेत्रों के लिए समान दरें लागू हैं, तो उसका नियमसम्मत आधार और दरों का विवरण भी स्पष्ट किया जाना चाहिए। नागरिकों की परेशानी तब और बढ़ जाती है, जब उन्हें यह पता ही नहीं होता कि उनके द्वारा जमा की जाने वाली राशि सही है या नहीं।

कर वसूली में पारदर्शिता नहीं

नगरपालिका का दायित्व केवल कर वसूलना ही नहीं, बल्कि करदाताओं को नियमों और दरों की जानकारी देना भी है। संपत्ति कर से संबंधित जानकारी सार्वजनिक नहीं होने की स्थिति में नागरिकों के मन में असमानता, मनमाने निर्धारण और संभावित अनियमितताओं को लेकर संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। हालांकि, किसी भी प्रकार की वास्तविक अनियमितता की पुष्टि संबंधित अभिलेखों और आधिकारिक जांच के आधार पर ही की जा सकती है। ऐसे में नगरपालिका प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि वर्तमान में संपत्ति कर की दरें किस शासनादेश या अधिसूचना के तहत लागू हैं। जोन निर्धारण की सूची कब स्वीकृत हुई, उसका आधार क्या है और क्या सभी 15 वार्डों में संपत्तियों का वर्गीकरण निर्धारित नियमों के अनुरूप किया गया है? इन सवालों का जवाब सार्वजनिक होने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

चेहरे देख होती है वसूली

सुकमा नपा में इन दिनों संपत्ति कर का निर्धारण क्षेत्र के हिसाब से नही बल्कि चेहरा देख कर की जाती है। अगर कोई राजनीति से जुड़ या रसूखदार हो तो उससे 25 फीसदी से भी कम की राशि ली जाती है। तो दुसरी ओर गरीब व मध्यम वर्ग के लोगो से एनओसी के नाम पर मुंह मांगे टैक्स की वसुली जबरन की जाती है।

कर दाता से लुकाछिपी

अब बड़ा सवाल यह है कि सुकमा नगरपालिका प्रशासन संपत्ति कर की पूरी व्यवस्था को सार्वजनिक कर नागरिकों की शंकाएं दूर करेगा या फिर लोग इसी तरह नियमों, जोन और शुल्क की जानकारी के लिए परेशान होते रहेंगे? कर वसूली की व्यवस्था तभी भरोसेमंद मानी जाएगी, जब हर करदाता को यह पता हो कि उससे कितना कर लिया जा रहा है, क्यों लिया जा रहा है और उसका निर्धारण किस नियम के तहत हुआ है।

जल्द क्लियर करेंगे

इस संबंध में नपा के सीएमओ ने कहा कि संबंधित बाबु से जानकारी ली जावेगी और जल्द ही नागरिकों के सामने संपत्ति कर को लेकर पूरी पारदर्शिता के साथ रखेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन कर जताया आक्रोश

वोट चोरी के आरोपों और राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने उठाई आवाज, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद।

हरिभूमि न्यूज ⏭ दोरनापाल



ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दोरनापाल के नेतृत्व में शनिवार को कथित वोट चोरी एवं चुनावी अनियमितताओं के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। साथ ही दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवाज बुलंद की।

- कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन में जमकर की नारेबाजी

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि वोट चोरी जैसे मुद्दे लोकतंत्र और आम जनता के मताधिकार से जुड़े गंभीर सवाल हैं। पार्टी ने इन मुद्दों पर जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का मत सबसे महत्वपूर्ण होता है और चुनावी प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में भी अपनी नाराजगी जाहिर की तथा लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराते हुए अपनी बात रखी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दोरनापाल के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में जिला पंचायत अध्यक्ष सोयम माँगम्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष माड़वी देवा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुरेश सिंह चौहान, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष बबीता माड़वी सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान यूथपति यादव, दीपक चौहान, धर्मेंद्र चौहान, राहुल सिंह, सविता किच्चे, लयो दुर्गा, सोनू निषाद सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए पार्टी की ओर से उठाए गए मुद्दों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दोरनापाल ने कथित चुनावी अनियमितताओं और राहुल गांधी की गिरफ्तारी के मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और जनता के मताधिकार की रक्षा से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाया।

बाढ़ प्रभावित किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं पर एनएमडीसी प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



क्षेत्र में हुई भारी बारिश एवं बाढ़ से प्रभावित 13 ग्राम पंचायतों के किसानों और ग्रामीण परिवारों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने एनएमडीसी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर प्रभावितों को तत्काल राहत प्रदान करने की मांग की है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरनार के अध्यक्ष संतोष सेठिया के नेतृत्व में एनएमडीसी प्रबंधन के समक्ष प्रभावित किसानों की आर्थिक स्थिति,फसलों को हुए नुकसान तथा ग्रामीणों की बुनियादी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए ज्ञापन सौंपा है।हाल ही में हुई भारी बारिश एवं बाढ़ के कारण नगरनार क्षेत्र की 13 ग्राम पंचायतों में किसानों की फसलें और कृषि भूमि प्रभावित हुई हैं। इससे किसानों एवं ग्रामीण परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रभावित किसानों के सामने आगामी फसल की तैयारी, कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था तथा परिवारों की आजीविका चलाने की चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे में प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता एवं राहत उपलब्ध कराना आवश्यक है। नगरनार ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया के द्वारा एनएमडीसी प्रबंधन से मांग की गई है कि प्रभावित किसानों और ग्रामीण परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए राहत एवं पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। प्रभावित किसानों को सहायता बाढ़ से प्रभावित 13 ग्राम पंचायतों के किसानों को प्रति एकड़ 50,000 रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को संभाल सकें और कृषि कार्यों को पुनः शुरू कर सकें।फसल क्षति का सर्वेक्षण प्रभावित सभी किसानों की फसलों एवं कृषि भूमि को हुए नुकसान का निष्पक्ष और पारदर्शी सर्वेक्षण कराया जाए। वास्तविक नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।क्षतिग्रस्त कृषि भूमि का सुधार एवं मरम्मत बाढ़ के कारण खेतों में हुए कटाव, मिट्टी के नुकसान तथा अन्य प्रकार की क्षति की भरपाई के लिए भूमि सुधार एवं आवश्यक मरम्मत कार्य एनएमडीसी के माध्यम से कराए जाएं, जिससे किसान अपनी कृषि भूमि को दोबारा खेती योग्य बना सकें। आगामी फसल के लिए कृषि सहायता प्रभावित किसानों को आगामी फसल की तैयारी के लिए बीज, खाद एवं अन्य आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए, ताकि आर्थिक संकट के कारण उनकी खेती प्रभावित न हो।प्रभावित परिवारों के लिए विशेष राहत पैकेज बाढ़ प्रभावित पंचायतों के ग्रामीण परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए एनएमडीसी की सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर मद से विशेष राहत पैकेज घोषित किया जाए। इसके माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए।स्थायी बाढ़-रोधी व्यवस्था भविष्य में ऐसी आपदा की पुनरावृत्ति से ग्रामीणों को बचाने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बाढ़-रोधी व्यवस्था विकसित की जाए। इसके अंतर्गत नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था, जल प्रवाह में सुधार तथा आवश्यक बाढ़-रोधी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। जनप्रतिनिधियों एवं किसानों के साथ तत्काल बैठक एनएमडीसी प्रबंधन द्वारा प्रभावित 13 ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और किसानों के प्रतिनिधियों के साथ तत्काल बैठक आयोजित की जाए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष लेखन बघेल, अमित पांडे, दयाराम कश्यप, बलराम कोकोडू, विजय बिसाई,इंदु बघेल,संजय नाग, मुकुंद नेताम मौजूद रहे।

सीई कार्यालय में बदलेगी बैठने की व्यवस्था दो-दो कक्षों को हाल बनाने के निर्देश



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

लोक निर्माण विभाग जगदलपुर जोन के मुख्य अभियंता समय लाल ने शनिवार को मुख्य अभियंता कार्यालय (सीई कार्यालय) भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में कर्मचारियों के बैठने की वर्तमान व्यवस्था का जायजा लिया और उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग करते हुए व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में कक्षों के उपयोग, कर्मचारियों के बैठने की सुविधा और

- प्रथम तल पर कर्मचारियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

कार्यस्थल को अधिक व्यवस्थित बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्य अभियंता ने कार्यालय भवन का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि दो-दो कक्षों को मिलाकर हॉल के रूप में विकसित किया जाए, ताकि कर्मचारियों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही उन्होंने भवन के प्रथम तल पर भी कर्मचारियों के बैठने के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। इससे कार्यालय में उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा और कर्मचारियों को व्यवस्थित तरीके से काम करने के लिए उपयुक्त जगह मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता भावेश सिंह अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने भी निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता के साथ कार्यालय की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग करने पर जोर

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने कार्यालय की मौजूदा व्यवस्था का जायजा लेते हुए कर्मचारियों के लिए सुविधाजनक कार्यस्थल तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दो-दो कक्षों को मिलाकर हॉल बनाने की योजना से कार्यालय में बैठने की व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा। वहीं प्रथम तल पर भी बैठने की सुविधा विकसित करने से उपलब्ध स्थान का समुचित उपयोग हो सकेगा।

व्यवस्थित करने में मदद मिलने की उम्मीद

कार्यालय भवन में व्यवस्था सुधारने के लिए दिए गए इन निदेर्शों के तहत कर्मचारियों के बैठने की सुविधा को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे कार्यालयीन कामकाज को व्यवस्थित करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। मुख्य अभियंता के निर्देशों के अनुसार कार्यालय भवन में आवश्यक बदलाव कर कर्मचारियों के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचा छात्रावास परिवार, बांटी राहत सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

ग्राम पंचायत आड़ावाल, नारायणपाल विकासखंड बस्तर में बाढ़ की मार झेल रहे परिवारों के बीच छात्रावास एवं आश्रम विकासखंड बस्तर के अधीक्षक-अधीक्षिकाओं ने पहुंचकर उनके दुख-दर्द को करीब से जाना। यह राहत एवं सहयोग कार्य जिला सहायक आयुक्त गणेश राम सोरी के निर्देशन में किया गया।

- दुख की घड़ी में जरूरतमंद परिवारों का जाना हाल, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

बाढ़ के कारण कई परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे कठिन समय में अधीक्षक-अधीक्षिकाओं ने प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनकी परेशानियां सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस मुश्किल घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को मच्छरदानी, साड़ी, चावल, दाल, सब्जी सहित खाद्य एवं अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। साथ ही भविष्य में भी आवश्यकता के अनुसार जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। बाढ़ से प्रभावित परिवारों की पीड़ा को देखते हुए अधीक्षक-अधीक्षिकाओं ने संवेदनशीलता के साथ उनके बीच समय बिताया और उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। आपदा की इस कठिन घड़ी में सहायता मिलने से प्रभावित परिवारों को राहत और संबल मिला। इस अवसर पर कुलन मौर्य, मंडल संयोजक बस्तर, जितेंद्र सोरी, धनेश्वर कश्यप, गोविंद सिंह ठाकुर, शंकर बघेल, गोविंद सिंह भारद्वाज, मनोज कश्यप, चन्द्रमुखी सोरी, दामिनी कश्यप, चंद्रकला कश्यप, लखमी पटेल, गोमती नाग, सुश्री चेतना नाग, ममता सोरी एवं खेल सिंह खूंटे सहित समस्त अधीक्षक-अधीक्षिकाएं उपस्थित रहे। बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनकी जरूरतों को समझना और संकट की घड़ी में सहयोग प्रदान करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य रहा। जिला सहायक आयुक्त गणेश राम सोरी के निर्देशन में किए गए इस प्रयास से प्रभावित परिवारों को मानवीय संवेदना के साथ आवश्यक सहायता उपलब्ध हुई।



सजने लगे मां दुर्गा के पंडाल



मद्देड़। बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील अंतर्गत ग्राम मददेड में शारदीय नवरात्रि को लेकर भक्तों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। तैयारियों को अंतिम रूप देने में सभी लोग पूरी निष्ठा और तत्परता से लगे हुए हैं। विभिन्न दुर्गा मंदिरों और पूजा पंडालों में सजावट का कार्य अंतिम चरणों में है। पंडालों को तरह-तरह की रंग-बिरंगी लाइटों, झांकियों और आकर्षक झालरों से सजाया जा रहा है। माता दुर्गा की प्रतिमाओं को भी मूर्तिकारों और कलाकारों द्वारा अंतिम रूप दे दिया गया है। मूर्तियों की कलाकृति और रूप अत्यंत भव्य व मनमोहक नजर आ रहा है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत से ठीक पहले पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बन चुका है और श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है।



आपको और आपके पूरे परिवार को भी शारदीय नवरात्रि 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

मां बनने का अनमोल अहसास

विगत 12 वर्षों में 1700 से अधिक दम्पत्तियों ने पाया संतान सुख

निःसंतानता को संकोच नहीं, सही जांच की है जरूरत





डॉ. श्रीमती एस. बंसल
MBBS, MD (O/G), Director IVF Center
वरिष्ठ प्रसुति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ,
लैप्रोस्कोपिक सर्जन

निःशुल्क परामर्श
01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026

परामर्श हेतु कौन दम्पत्ति संपर्क कर सकते है?

- बंद ट्यूब (Falloplan Tubes)
- पुरूषों के वीर्य में शुक्राणुओं की मात्रा कम अथवा निल होना
- शुक्राणु की गतिशीलता, गुणवत्ता में कमी एवं आकार में खराबी
- अण्डों का न बनना अथवा समय पर न फूटना (PCOD)
- चॉकलेट सिस्ट (Emdometriosis) ओवरी सिस्ट (Ovarian Cyst)
- बच्चेदानी में गांठ (Fibroid), बच्चेदानी में दीवार (Septum)
- माहवारी बंद होना माहवारी का अनियमित होना
- महिला नसबंदी, पुरूष नसबंदी
- बार-बार गर्भपात होना (Miscarriage Clinic)
- पहले IVF का असफल होना दो-तीन बारअसफल होना
- सभी जाँच रिपोर्ट सामान्य होने पर भी संतान का न होना

Dr.Mamta Bansal
D.N.B., M.D.N D.G.O.

Dr.Alpana Bansal
M.B.B.S.,D.G.O., M.D.

सुलभतम पैकेज में अधिकतम सफलता

पैकेज ₹85000 से शुरू

निःशुल्क परामर्श हेतु आज ही कॉल करें
For Registration
Call: 9425258201

बंसल नर्सिंग होम फर्टिलिटी सोनोग्राफी एवं
एडवांस आई केयर सेन्टर
अति आधुनिक सर्व सुविधायुक्त नेत्र चिकित्सालय
लेजर एवं फेको नेत्र चिकित्सालय

आँखों की देखभाल जीवन भर का उपहार

डॉ. मनीष बंसल
M.S (Ophthalmology)
नेत्र रोग विशेषज्ञ फेको एवं लेजर सर्जन

बालाजी वार्ड, जगदलपुर, बस्तर, फोन- 07782 223589, 9425590111

पूर्व असिस्टेन्ट प्रोफेसर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह महारानी हॉस्पिटल रजि. नं.- CGMC 9715/2020

बस्तर संभाग का प्रथम सर्व सुविधा युक्त आईवीएफ, फर्टिलिटी, टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

डॉ. बंसल नर्सिंग होम

निःसंतान दंपत्तियों के लिए एक विश्वसनीय सेंटर

बालाजी वार्ड, जगदलपुर (बस्तर), फोन- 07782-224020 (क्लीनिक)









